



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 08 दिसंबर, 2021

वशिव सुनामी जागरूकता दविस

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ष 5 नवंबर को 'वशिव सुनामी जागरूकता दविस' का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य आम लोगों को सुनामी जैसी घातक आपदा के बारे में जागरूक करना है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस घातक आपदा के कारण पछिली एक सदी में लाखों लोगों की मृत्यु हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 'सुनामी' (Tsunami) शब्द की उत्पत्ति जापान से हुई है, जहाँ 'सु' (Tsu) शब्द का अर्थ है 'बंदरगाह' (Harbour) और 'नामी' (Nami) का अर्थ है 'लहर' (Waves) है। प्रायः तीव्र भूकंप के दौरान समुद्री प्लेट कई मीटर तक खसिक जाती है, फलस्वरूप समुद्री सतह पर जबरदस्त उथल-पुथल मचती है और इस कारण सागर की सतह पर जल बड़ी-बड़ी लहरों के रूप में उठता है। यद्यपि महासागरों में ये बहुत कम ऊँचाई की होती हैं, कति जैसे-जैसे ये कनारों की ओर बढ़ती हैं इनकी ऊँचाई और तीव्रता बढ़ती जाती है। यही तीव्र और ऊँची लहरें धरातल पर 'सुनामी' कहलाती हैं। वर्ष 2004 में हिंद महासागर में आई सबसे घातक सुनामी के बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रत्येक वर्ष 5 नवंबर को वशिव सुनामी जागरूकता दविस के रूप में मनाने का नरिणय लिया था।

अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दविस

प्रतिवर्ष 07 दिसंबर को दुनिया भर में हवाई यात्रा में अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठनों के महत्त्व के वषिय में लोगों को सूचित करने हेतु 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दविस' मनाया जाता है। 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दविस-2021' की थीम 'वैश्विक विमानन विकास हेतु उन्नत नवाचार' है। आईसीएओ परिषद 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दविस' के लिये प्रत्येक पाँच वर्ष की वशिष वर्षगाँठ थीम नरिधारति करती है और पूरे चार वर्ष के बीच की अवधि के लिये परिषद एक ही वषिय को बरकरार रखती है। 7 दिसंबर को 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दविस' के रूप में मनाने की आधिकारिक मान्यता संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 1996 में दी गई थी। हालाँकि इस दविस की शुरुआत वर्ष 1994 में 'अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन' की स्थापना की 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर की गई थी। अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन, संयुक्त राष्ट्र की एक वशिषि्ट एजेंसी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1944 में राज्यों द्वारा अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन अभिसमय (शिकागो कन्वेंशन) के संचालन तथा प्रशासन के प्रबंधन हेतु की गई थी। इसका एक उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन की योजना एवं विकास को बढ़ावा देना है ताकि दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन की सुरक्षति तथा व्यवस्थति वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

सुनील अरोडा

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) सुनील अरोडा को 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल अससिस्टेंस' में सलाहकार बोर्ड में शामिल होने हेतु आमंत्रित किया गया है। 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल अससिस्टेंस' वर्ष 1995 में स्वीडन में स्थापित एक अंतर-सरकारी संगठन है और दुनिया भर में स्थायी लोकतंत्र का समर्थन करने संबंधी एक मशिन है। इस संस्थान को सलाहकारों के 15 सदस्यीय बोर्ड द्वारा संचालित किया जाता है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के वशिषज्ञ शामिल होते हैं। 'इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल अससिस्टेंस' संस्थान में वर्तमान में 34 सदस्य देश शामिल हैं। सुनील अरोडा दिसंबर 2018 से अप्रैल 2021 तक देश के 23वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे। वर्ष 1980 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी, सुनील अरोडा ने पूर्व में केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार के विभिन्न प्रमुख विभागों में कार्य किया है।

हॉर्नबलि महोत्सव

नगा वशिषत की वशिषि्टता और समृद्धि को संरक्षित करने, संरक्षित करने तथा पुनर्जीवित करने के लिये नगालैंड में प्रतिवर्ष 'हॉर्नबलि महोत्सव' का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव का नामकरण हॉर्नबलि पक्षी के नाम पर किया गया है तथा इस महोत्सव की शुरुआत वर्ष 2000 में की गई थी। यह महोत्सव उस पक्षी (हॉर्नबलि) को समर्पित है, जो अपनी भव्यता और सतर्कता के गुणों के लिये जाना जाता है। हॉर्नबलि, अरुणाचल प्रदेश और केरल का राजकीय पक्षी है। यह भारतीय महाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया जाता है। IUCN की रेड लिस्ट में इसे सुभेद्य (Vulnerable) श्रेणी में शामिल किया गया है।

